



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 161]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 11, 2010/ज्येष्ठ 21, 1932

No. 161]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 11, 2010/JYAISTHA 21, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 जून, 2010

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. चीनी ताइपेई, मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड और कोरिया गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नायलोन फिलामेंट यार्न (मछली पकड़ने के जाल के विनिर्माण में प्रयुक्त) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के सीमित मुद्दे के संबंध में पाटनरोधी (मध्यावधि समीक्षा) जांच ।

सं. 15/3/2009-डीजीएडी.—यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सी.शु. टैरिफ (पाटित वस्तुओं के पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए । दिनांक 4 जुलाई, 2005 की अधिसूचना सं. 14/5/2005-डीजीएडी द्वारा मूल जांच शुरू की थी । प्राधिकारी ने दिनांक 3 जुलाई, 2006 की अधिसूचना सं. 14/5/2005-डीजीएडी के द्वारा अपने अंतिम जांच परिणाम जारी किए जिनमें चीन जन.गण. चीनी ताइपेई, मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड और कोरिया गण. (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नायलोन फिलामेंट यार्न (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की थी और भारत सरकार द्वारा दिनांक 29.8.2006 की सी.शु. अधिसूचना सं. 85/2006 के तहत वह निश्चयात्मक शुल्क लगाया गया था ।

2. और यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 और सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9 (5) के अनुसार याचिकाकर्ताओं अर्थात् इंडियन फिशनेट मैन्युफैक्चरर्स एसो. (आईएफएमए), चेन्नई से एक आवेदन प्राप्त हुआ था, जिसमें मछली पकड़ने का जाल बनाने में प्रयुक्त नायलोन फिलामेंट यार्न पर पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा

करने का अनुरोध किया गया था। याचिकाकर्ताओं ने यह दावा किया कि परिस्थितियों में काफी परिवर्तन हो गया है जिससे लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करनी आवश्यक हो गया है। समीक्षा की जरूरत के संबंध में निम्नलिखित आधार प्रस्तुत किए गए हैं :-

- (i) मूल जांच में शामिल प्रमुख आवेदक मुख्यतः वस्त्र यार्न के व्यवसाय में कार्यरत थे और जांच का कार्यक्षेत्र केवल वस्त्र ग्रेड यार्न (<210 डी तथा <60 सेंटीमेटर्स/ टैक्स की दृढ़ता वाले) इस जांच के कार्यक्षेत्र में 210 डी और उससे अधिक (210, 420, 630, 840, 1260, 1680, 1890) के फिशनेट यार्न को शामिल नहीं किया गया था और इस संबंध में कोई विश्लेषण या कोई आंकड़े प्रस्तुत अथवा उनकी जांच नहीं की गई थी।
- (ii) चूंकि पाटनरोधी जांच वस्त्र यार्न (<210 डी तथा <50 जीपीडी की दृढ़ता वाले) के लिए की गई थी और न कि सामान्य और उच्च दृढ़ता वाले यार्न, दोनों के फिशनेट यार्न के लिए, इसलिए याचिकाकर्ता यह अनुरोध करते हैं कि फिशनेट यार्न की इन दोनों श्रेणियों को इस अधिसूचना के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए ताकि भारत का फिशनेट उद्योग पाटनरोधी शुल्क के बिना 210 डी यार्न और उससे उच्च डेनियरेज के नायलोन फिलामेंट यार्न को अयात करने में सक्षम हो सके।
- (iii) फिशनेट उद्योग विकसित देशों से विकासशील देशों की ओर चला गया है और भारत के इस उद्योग के एक केंद्र के रूप में उभरने की संभावना है। आधुनिक मात्स्यिकी की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह आवश्यक है कि भारतीय विनिर्माताओं को बिना किसी प्रतिबंध के अंतर्राष्ट्रीय बाजार से उच्च और सामान्य दृढ़ता, दोनों के उच्च घनत्व और कम घनत्व वाले यार्न के आयातों की अनुमति दी जाए।

3. और यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्राप्ति लिखित आवेदन, जिसमें समीक्षा को नयायसंगत ठहराया गया है, के आधार पर प्राधिकारी ने 19 जून, 2009 की अधिसूचना सं. 15/3/2009-डीजीएडी जिसे भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किया गया है, के द्वारा मध्यावधिक समीक्षा जांच शुरू की थी।

#### प्रक्रिया:

4. इस कार्रवाई में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:
  - (i) प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 19 जून, 2009 की अधिसूचना सं. 15/3/2009-डीजीएडी द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी, जिसमें मध्यावधिक समीक्षा जांच की शुरुआत की सूचना दी गई थी।
  - (ii) समीक्षा जांच की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मंगाने के लिए संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को जांच शुरुआत की अधिसूचना के साथ प्रश्नावलियां भेजी थीं।
  - (iii) नाइलोन फिलामेंट यार्न के भारतीय उत्पादकों को सूचना दे दी गई थी जिसमें उनसे नियमों के अनुसार संगत सूचना मांगी गई थी।

- (iv) नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार इस जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था और उनसे उनके देश के निर्यातकों/उत्पादकों से इस प्रश्नावली का निर्धारित समयावधि के भीतर उत्तर देने का अनुरोध करने के लिए कहा गया था ।
- (v) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं ।
- (vi) जांच अवधि और उससे पहले 3 वर्षों के लिए घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आई बी आई एस के आंकड़ों के अलावा आयातों के सौदावार आंकड़े वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से मंगाए गए थे ।
- (vii) जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां व्यापक प्रचालन के लिए फिक्की, सीआईआई और एसोचैम को भी भेजी गई थीं ।
- (viii) संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग ने जांच शुरुआत की सूचना का उत्तर दिया जिसमें शुल्कों के दायरे से किसी भी किस्म के उत्पाद को बाहर रखने का विरोध किया गया था । किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है ।
- (ix) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का संगत समझी गई सीमा तक सत्यापन किया था;
- (x) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए दिनांक 30.11.2009 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की थी, जिसमें हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था । हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत लिखित अनुरोधों पर इन जांच परिणामों में संगत सीमा तक विचार किया गया है ।
- (xi) इस जांच के लिए जांच अवधि (पीओआई) 1 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 (12 महीने) की है ।
- (xiii) मूल जांच में यह आवेदन संयुक्त रूप से मै. मोदीपॉन लि., मोदीनगर, जेसीटी लि., होशियारपुर, श्री सिंथेटिक लि. उज्जैन और गुजरात स्टेट फर्टीलाइजर्स लि., बदोदरा द्वारा दायर किया गया था । मै. सेंचुरी एंका ने मूल आवेदन का समर्थन किया था । प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि मै. मोदीपॉन लि., जेसीटी लि., श्री सिंथेटिक लि. और गुजरात स्टेट फर्टीलाइजर्स कं. लि. तथा सेंचुरी एंका घरेलू उद्योग हैं ।

- (xiv) वर्तमान जांच के संबंध में किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है ।
- (xv) प्राधिकारी ने नियम 16 के अंतर्गत दिनांक 28 मई, 2010 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के लिए अनिवार्य तथ्यों का एक प्रकटन जारी किया था और याचिकाकर्ता अर्थात् इंडियन फिशनेट मैनुफैक्चरर्स एसो., चेन्नई और संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने वाले भारतीय उद्योग से उत्तर प्राप्त हुआ था ।

### विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

5. मूल जांच में शामिल उत्पाद नायलोन या पोलीमाइड के सिंथेटिक फिलामेंट यार्न (जिन्हें नायलोन फिलामेंट यार्न भी कहा जाता है और यहां जिन्हें संबद्ध वस्तु कहा गया है) हैं । नायलोन फिलामेंट यार्न एक सिंथेटिक फिलामेंट यार्न होता है जिसका उत्पादन आर्मेनिक मोनोमर्स के पालीमराइजेशन द्वारा किया जाता है । नायलोन फिलामेंट यार्न के वस्त्र निर्माण में काफी व्यापक अनुप्रयोग हैं जिनमें साड़ी, दुपट्टा, महिलाओं की वस्त्र सामग्री/फैशन परिधान, फैन्शी कैजुअल निटवियर स्टॉकिंग्स और स्टॉक्स, आंतरिक परिधान और फाउंडेशन वियर, लॉजरी और नाइट वियर, ब्रीफ्स, पैंटीज, स्लिप्स, बच्चों के कपड़े, स्पोर्ट्स वियर और एक्टिव वियर, स्विम वियर और बीच वियर, बाहरी परिधान, विंड वियर, फैशन एक्ससेरीज, एलास्टिक टेप, शो/फुटवियर लाइनिंग, लेस/फैन्शी टेप, टाई/स्कार्फ, फैदर यार्न, रिबन/सेटिंग रिबन आदि शामिल हैं ।

6. मूल जांच में शामिल विचाराधीन उत्पाद में सिलाई के धागे के अलावा, नायलोन या पोलीमाइड्स के सिंथेटिक फिलामेंट यार्न की सभी किस्में शामिल थीं जैसे फ्लैट यार्न-टिवस्टेड और/ या अनटिवस्टेड, फुली ड्रांन यार्न (एफडीवाई), स्पिन ड्रांन यार्न (एसडीवाई) फुली आरिएन्टेड यार्न (एफओवाई), हाई ओरिएन्टेड यार्न (एचओवाई), आंशिक रूप से ओरिएन्टेड यार्न (पीओवाई), टेक्सचर्ड यार्न-टिवस्टेड और/अनटिवस्टेड और डाइड यार्न एकल, डबल/मल्टीपल फोल्डेड या केबल्ड जो सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 5402 के अंतर्गत अध्याय 54 में वर्गीकृत है, परंतु इसमें नायलोन या अन्य पोलीमाइड के उच्च दृढ़ता वाले यार्न शामिल नहीं हैं । इस उत्पाद में नायलोन फिलामेंट यार्न पोलीमाइड यार्न की सभी किस्में शामिल थीं जैसे फ्लैट/टैक्चर्ड/टिवस्टेड/अनटिवस्टेड, ब्राइट/सेमी डल/फुल डल (या उसकी सभी किस्में), सलेटी, रंगीन, रंजित (या उसकी सभी किस्में), सिंगल/डबल/मल्टीपल/फोल्डेड/केबल्ड (या उसकी सभी किस्में), चाहे उपयुक्त आकार में हो अथवा नहीं परंतु इनमें सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 5402.10 के अंतर्गत वर्गीकृत नायलोन के उच्च दृढ़ता वाले यार्न और सीमाशुल्क वर्गीकरण सं. 5402.10 के अंतर्गत वर्गीकृत फिशनेट यार्न शामिल नहीं हैं । तदनुसार सी.शु. वर्गीकरण सं. 5402.10 के अंतर्गत वर्गीकृत सभी प्रकार के उच्च दृढ़ता वाले नायलोन फिलामेंट यार्न मूल जांच के कार्यक्षेत्र से बाहर थे । तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक था और मूल जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं था ।

तथापि, वर्तमान मध्यावधिक समीक्षा फिशिंग नेट के विनिर्माण हेतु प्रयुक्त नायलोन फिलामेंट यार्न के सीमित प्रयोजन के लिए है जो इस समीक्षा के प्रयोजनार्थ संबद्ध वस्तु है।

### आवेदक (इंडियन फिशनेट मैनयुफैक्चरर्स एसो.) के विचार

7. आई एफ एम ए द्वारा अपने आवेदन में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

(क) सी.शु. वर्गीकरण 54.02.10 के अंतर्गत वर्गीकृत उच्च दृढ़ता वाले यार्न और फिशनेट यार्न की सभी किरमें वर्तमान जांच के दायरे से बाहर हैं। अतः 210 डी और उससे अधिक के फिशनेट यार्न पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना जबकि यह उत्पाद मूल जांच के दायरे से बाहर था, न्यायोचित नहीं है।

(ख) फिशनेट यार्न जांच के कार्यक्षेत्र के भीतर नहीं आता है क्योंकि मूल जांच में शामिल सभी आवेदकों का विवरण 210 डी और उससे अधिक के फिशनेट ग्रेड यार्न से भिन्न है।

(ग) आवेदकों की लागत निर्धारण संबंधी सूचना केवल वस्त्र ग्रेड यार्न से संबंधित है और इसमें फिशनेट ग्रेड यार्न शामिल नहीं है। इसके अलावा, संबद्ध देशों से आयातित वस्तु 40 डी और <210डी के टैक्सटाइल ग्रेड के वस्त्र यार्न थे और 210डी तथा 1890 डी तक की श्रेणी के सामान्य और उच्च दोनों तरह की दृढ़ता वाले फिशनेट यार्न के लिए इनकी कोई प्रासंगिकता नहीं है।

(घ) इस प्रक्रिया में सामान्य दृढ़ता वाला फिशनेट यार्न पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने वाले उत्पादों में शामिल हो गया है परंतु, शुल्क लगाए जाने के लिए 210 डी और उससे अधिक के एन एफ वाई को शामिल किया जाना न्यायोचित नहीं है।

(ङ) भारत में फिशनेट यार्न की कुल मांग औसतन लगभग 600 मीटर./माह होने का अनुमान है जिसमें से 210 डी फिशनेट यार्न की मांग 90 मीटर/माह है। आवेदकों का 15% से भी कम हिस्सा बनता है और वे बाजार में संपूर्ण मांग को पूरा नहीं करते हैं। भारत में फिशनेट उद्योग का विकास होने की संभावना है और इसलिए फिशनेट यार्न पर शुल्क लगाया जाना नुकसानदायक होगा।

(च) मूल जांच का कार्यक्षेत्र केवल वस्त्र ग्रेड यार्न (<210डी तथा <50 सेंटीवोटन्स/ टैक्स की दृढ़ता वाले) से संबंधित था। 210 डी और उससे अधिक (210 डी और 1890 डी तक) के फिशनेट यार्न की कभी भी जांच नहीं की गई थी और इस उत्पाद से संबंधित किसी भी आंकड़े का जांचकर्ता प्राधिकारियों द्वारा विश्लेषण नहीं किया गया था।

(छ) सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजीज (सी आई एफ टी) के अनुसार कम ग्राम प्रति डेनियर (जी डी पी) के नायलोन फिलामेंट का उपयोग फिशनेट विनिर्माण के लिए होता है। बी आई एस मानक के अनुसार 6.3 जी डी पी (57 सेंटीवोटन्स/टैक्स) और उससे अधिक की न्यूनतम दृढ़ता वाले नायलोन यार्न फिशनेट विनिर्माण के लिए बिल्कुल उपयुक्त होते हैं।

(ज) वर्तमान अधिसूचना के अनुसार केवल 60 न्यूटन्स/टैक्स और उससे अधिक के एन एफ वाई को कार्य क्षेत्र से बाहर रखा गया है । 57 सेंटीवोटन्स/टैक्स के एन एफ वाई को भी इससे बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि इन यार्नों का प्रयोग व्यापक रूप से फिशनेटों के विनिर्माण और उनकी मरम्मत में किया जाता है ।

(झ) एन एफ वाई के लिए 2008-09 की अवधि हेतु मांग-आपूर्ति की प्रवृत्तियों से यह स्पष्ट है कि एल डी-एफ एन वाई (210 डी, 420 डी और 630डी) के आयात काफी कम (आतों की कुल मांग का 17.8%) रहे हैं ।

(ञ) भारत में सभी फिशनेट उत्पादकों से प्राप्त प्रतिक्रिया के अनुसार आयातित एल डी-एफ एन वाई की गुणवत्ता भारतीय स्रोतों से प्राप्त वस्तु से श्रेष्ठ है (डेनियर, इलॉगेशन और दृढ़ता तथा समानता की दृष्टि से) ।

(ट) सेंचुरी एका यार्न की गुणवत्ता 6.3 जी पी डी (57 सेंटीवोटन्स/टैक्स) के रूप में दर्शायी गई है । यद्यपि, 6.3 जीपीडी यार्न भारतीय उपभोक्ताओं को स्वीकार्य है, परंतु भारत में अधिकांश भारतीय विनिर्माताओं के लिए यह पैकेज उपयुक्त नहीं है ।

(ठ) निर्दिष्ट प्राधिकारी से मौजूदा अधिसूचना को संशोधित करने का अनुरोध किया गया है क्योंकि चीन, ताइवान, मलेशिया, इंडोनेशिया, थाइलैंड और कोरिया के मूल के अथवा वहां से निर्यातित और भारत में आयातित 57 सेंटीवोटन्स/टैक्स तथा उससे अधिक के माप वाले सभी उच्च दृढ़ता यार्न और दृढ़ता को छोड़कर अध्याय 54 के अंतर्गत आने वाले नाइलोन तथा अन्य पॉलीमाइट के 67 डेसीटैक्स से कम के सिंथेटिक मोनो फिलामेंट सहित सिंथेटिक फिलामेंट यार्न अन्य सभी लागू शुल्कों के अलावा यहां दी गई तालिका के अनुसार पाटनरोधी शुल्क के अधीन रखे जा सकते हैं ।

(ड) फिशनेट उद्योग के तीव्र विकास को सुगम बनाने के लिए 57 सेंटीवोटन्स/टैक्स तथा उससे अधिक की दृढ़ता वाले फिशनेट यार्न के आयातों को पाटनरोधी शुल्क से छूट दी जाए ।

#### आई एफ एम ए के प्रकटन के बाद के अनुरोध

8. प्रकटन विवरण के उत्तर में आई एफ एम के द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

(क) प्राधिकारी द्वारा मूल जांच केवल टैक्सटाइल ग्रेड यार्न के लागत आंकड़ों, व्यापार आंकड़ों और डेनियरेज संबंधी सूचना आदि के आधार पर शुरू की गई थी जो 210 डेनियर से कम तथा 50 सेंटीवोटन्स/टैक्स से कम के दृढ़ता के अंतर्गत आते हैं । 210 डेनियर या उससे अधिक के एन एफ वाई जिसका उपयोग फिशनेट के विनिर्माण में किया जाता है, के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा कोई तकनीकी आंकड़े या सूचना प्रस्तुत नहीं की गई थी । अतः 210 डेनियर और उससे अधिक के एन एफ वाई को एन एफ वाई के दायरे में शामिल नहीं किया जा सकता है और उन पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जा सकता है ।

- (ख) 210 डेनियर और उससे अधिक के एन एफ वाई को उसकी दृढ़ता पर विचार किए बिना पाटनरोधी शुल्क के दायरे में शामिल किया जाना उचित नहीं है क्योंकि एन एफ वाई की यह श्रेणी मूल याचिका का हिस्सा नहीं रही थी और इस मामले में पाटन वस्त्र क्षेत्र में प्रयुक्त 210 डेनियर से कम के एन एफ वाई का हो रहा था ।
- (ग) इस बात पर सहमति है कि भारत में 210 डेनियर और उससे अधिक के एन एफ वाई का विनिर्माण करने की उत्पादन क्षमता है और कुछ भारतीय उत्पादकों द्वारा इसकी आपूर्ति की जा रही है । परंतु, अन्य विनिर्माता अधिकांशतः टैक्सटाइल ग्रेड एन एफ वाई के हैं और वे फिशनेट उद्योग को "फॉल बैक" कार्यनीति के तहत आपूर्ति करते हैं ।
- (घ) भारत सरकार की यह एक स्वीकृत नीति रही है कि सभी कच्ची सामग्रियों की मुक्त रूप से आयात की अनुमति दी जाए । अतः यद्यपि, घरेलू रूप से उसके विनिर्माण की क्षमता मौजूद हो, तथापि, सामान्य दृढ़ता वाले 210 डेनियर या उससे अधिक के एन एफ वाई पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का कोई न्यायसंगत आधार नहीं है । सी आई एफ कीमत पर 272% का सीमाशुल्क ऐसी पर्याप्त टैरिफ बाधा है जो भारतीय उत्पादकों को पूरा संरक्षण प्रदान करती है ।

#### नायलोन फिलामेंट यार्न के लिए घरेलू उद्योग के विचार

9. आई एफ एम ए द्वारा प्रस्तुत आवेदन के उत्तर में एन एफ वाई के भारतीय उत्पादकों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध प्रस्तुत किए गए हैं:

(क) वर्तमान समीक्षा (क) 210 डेनियर और उससे अधिक (210, 420, 630, 840, 1260, 1680, तथा 1890) के फिशनेट यार्न और सामान्य और उच्च दोनों दृढ़ता वाले फिशनेट यार्न को जांच से बाहर रखने से संबंधित है ।

(ख) वर्तमान समीक्षा फिशनेट अनुप्रयोगों के लिए लक्षित नायलोन फिलामेंट यार्न तक सीमित है और यह मूल जांच के अन्य पहलुओं, जो विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु, घरेलू उद्योग का कार्यक्षेत्र, पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध से संबंधित हैं, तक विस्तृत नहीं है । ऋषि रूप पालीमर्स बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय पर भरोसा किया गया है जिसमें यह माना गया था कि नियम 23 के अंतर्गत मध्यावधि समीक्षा का कार्यक्षेत्र किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रकाश में लाए गए आधारों तक सीमा होना चाहिए ।

(ग) आवेदकों द्वारा यह स्पष्ट करने के लिए कोई सूचना नहीं दी गई है कि फिशनेट यार्न क्या है और सामान्य और उच्चतर दोनों दृढ़ता वाले नायलोन फिलामेंट यार्न (<210 डी यार्न और <50 जी पी डी की दृढ़ता वाले यार्न), को क्यों विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए ।

(घ) फिशनेट बनाने के लिए उत्पादित और बेचे गए नायलोन फिलामेंट यार्न उच्च और कम दोनों प्रकार के दृढ़ता वाले यार्न हो सकते हैं । घरेलू उद्योग कम दृढ़ता वाले यार्नों का पर्याप्त मात्रा में उत्पादन और आपूर्ति कर रहा है ।

(ङ) चूंकि अंतिम जांच परिणाम और इसकी परिणामी सी.शु. अधिसूचनाओं में पहले से ही 5402.10 के अंतर्गत वर्गीकृत नायलोन के उच्च दृढ़ता वाले यार्न को पाटनरोधी शुल्क के दायरे से बाहर रखा गया है, इसलिए वर्तमान जांच में इस यार्न को वर्तमान जांच के दायरे के भीतर नहीं रखा जा सकता है । इस प्रकार इस समीक्षा को करना औचित्यपूर्ण नहीं है ।

(च) चूंकि भारतीय उत्पादक इस खंड विशेष के लिए प्रयोक्ता उद्योग की प्रकृति को जानते हैं, इसलिए इस उत्पाद का कीमत निर्धारण इस ढंग से किया जाता है कि इस उत्पाद में भारतीय उत्पादकों की लाभप्रदता नायलोन यार्न की अन्य किस्मों की तुलना में उनके लिए पहले से ही कम अनुकूल रहे । वस्तुतः भारतीय उद्योग फिशनेट उद्योग को इस उत्पाद को वित्तीय घाटे पर बेच रहा है ।

(छ) जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में वर्णित आधार संबंधित उत्पाद को जांच से बाहर रखने को न्यायोचित ठहराने के अपर्याप्त हैं ।

(ज) नायलोन के उच्च दृढ़ता वाले यार्न को पहले ही विचाराधीन उत्पाद और पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने वाले उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा गया है । उस सीमा तक वर्तमान जांच अनावश्यक है और इसे निश्चित रूप से समाप्त किया जाना चाहिए ।

(झ) कम दृढ़ता वाले यार्न (630 डेनियर से कम) की कतिपय किस्मों का उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा किया जाता है और घरेलू उद्योग द्वारा उनकी आपूर्ति की जाती है तथा इसलिए इन्हें विचाराधीन उत्पाद में शामिल किया गया था । जब घरेलू उद्योग इनका उत्पादन और आपूर्ति जारी रखे हुए है तो यार्न की इन किस्मों को बाहर रखा जाना औचित्यपूर्ण नहीं है । इस संबंध में साक्ष्य गोपनीय आधार पर प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए हैं ।

(ञ) याचिकाकर्ता ने यह दावा करने में प्राधिकारी को गुमराह किया है कि परिस्थितियां बदल गई हैं, जिनकी वजह से समीक्षा आवश्यक है ।

(ट) विचाराधीन उत्पाद के संबंध में केवल दो आधारों पर समीक्षा की मांग की जा सकती है अर्थात् नए उत्पाद की शुरुआत या घरेलू उद्योग द्वारा मौजूदा उत्पाद का उत्पाद बंद किया जाना । किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा समीक्षा की मांग नहीं की जा सकती ।

(ठ) ऋषिरूप पालिमर्स बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा यथानिर्धारित निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा समीक्षा जांच किए जाने के कार्यक्षेत्र को इस बात से संतुष्ट होने तक सीमित किया गया है कि क्या ऐसे शुल्क को लागू रखे जाने के लिए प्राप्त सूचना के अनुसार पर्याप्त न्यायसंगत आधार मौजूद है । वर्तमान मामले में किसी नई सामग्री के अभाव में निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए अनुबंध-II के पैरा (IV) में उल्लिखित सभी मापदंडों या

मानदंडों को नए सिरे से लागू किया जाना उचित नहीं है जो कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के शुरुआती स्तर पर पहले ही किया गया था ।

(ड) 60 सेंटीवोटन्स/टैक्स के सामान्य दृढ़ता वाले 210 डी, 420 डी और 630 डी के एन एफ वाई का प्रयोग कमतर कोड वाले फिशनेट के विनिर्माण में किया जाता है जबकि 60 सेंटीवोटन्स/टैक्स और उससे अधिक की दृढ़ता वाले 840 डी, 1050 डी, 1260 डी और 1890 डी के एनएफवाई का प्रयोग उच्चतर कोड वाले फिशनेट निर्माण में किया जाता है । 840 डी और उससे अधिक के नायलोन यार्न का उत्पादन उच्च दृढ़ता यार्न के रूप में होता है जबकि 630 डी तक के नायलोन यार्न कम या सामान्य दृढ़ता वाले यार्न होते हैं ।

(ढ) एस आर एफ केवल उच्च दृढ़ता वाले यार्न का उत्पादन करता है और कम या सामान्य दृढ़ता वाले यार्न का उत्पादन नहीं करता है ।

(ण) एन एफ वाई का फिशनेट अनुप्रयोगों में कोई समर्पित प्रयोग नहीं होता है । भारतीय उत्पादकों द्वारा उत्पादित और आपूर्ति किए जाने वाले अनेक उपयोगों वाले किसी उत्पाद से उत्पाद विवरण के महत्व का कोई विकल्प नहीं बचता है । सी आई एफ टी से प्राप्त आई एस-440- 2006 प्रमाण-पत्र नायलोन फिलामेंट यार्न तथा वर्तमान जांच के उत्पाद विवरण के लिए असंगत है । भारत में आयातित उत्पाद का विवरण और भारतीय उत्पादकों द्वारा आपूर्ति की गई वस्तु का उत्पाद विवरण अधिक संगत है ।

(त) निर्दिष्ट प्राधिकारी को भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादन और आपूर्ति के आलोक में विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर रखे गए उच्च दृढ़ता वाले यार्न के कार्यक्षेत्र को स्पष्ट करना चाहिए ।

(थ) फिशनेट विनिर्माताओं की मांग को अधिकांशतः भारतीय उद्योग द्वारा पूरा किया जाता है जिससे फिशनेट विनिर्माताओं का यह दावा खारिज हो जाता है कि भारतीय उद्योग मांग और आपूर्ति के अंतर को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं ।

(द) 210 डेनियर और उससे अधिक के कम दृढ़ता वाले यार्न के लिए भारतीय उत्पादकों की क्षमता का काफी अल्प उपयोग हुआ है । भारतीय उत्पादकों ने बढ़ती हुई मांग के आलोक में अपने उत्पादन को भी बढ़ा दिया है परंतु क्षमता उपयोग में भारी गिरावट आई है जो पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने पर और अधिक प्रतिकूलतः प्रभावित होगी । संबद्ध उत्पाद के पाटन के कारण भारतीय उद्योग द्वारा ऋणात्मक लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद प्रवाह का सामना किया जाना जारी है ।

(ध) आवेदक द्वारा यह सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है कि शुल्कों को हटाए जाने पर क्षति और पाटन के जारी रहने की संभावना नहीं है । भारतीय उद्योग का यह तर्क है कि फिशिंग नेट के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त नाइलोन फिलामेंट यार्न को मापन के कार्यक्षेत्र में शामिल किए जाने का पर्याप्त न्यायसंगत आधार है ।

(न) फिशनेट विनिर्माता इस तथ्य को मानते हैं कि एल डी- एफ एन वाई की 560 मीटर मांग में से भारतीय उद्योग 460 मीटर/ माह की आपूर्ति कर रहा है । उस मामले में गुणवत्ता संबंधी कोई प्रश्न नहीं उठता है । आई एफ एम ए सेंचुरी एंका के उत्पाद के तकनीकी पहलुओं को मानता है जहां पैकेज संबंधी तर्क पूर्णतः असंगत है ।

(प) भारतीय उत्पादक भारत में मत्स्यिकी उद्योग के महत्व को स्वीकार करते हैं और इसलिए पहले से ही फिशनेट विनिर्माताओं को यार्न की बिक्री प्रतिस्पर्धी कीमतों पर करते हैं । इस बात को माना जाए कि उचित बाजार के विनिर्माताओं की अपने उत्पाद के लिए विधिसम्मत व्यवसायिक अपेक्षाएं व्यवहार्य हैं ।

(फ) देश में एन एफ वाई के अंधाधुंध पाटन से पहले ही घरेलू उद्योग को भारी क्षति हुई है, जिससे मोदीपॉन और बड़ौदा रेयान पूर्णतः बंद हो गए हैं और जी एस एफ, जे सी टी और सेंचुरी को भी भारी वित्तीय घाटे उठाने पड़ रहे हैं ।

(ब) सेंचुरी एंका ने एसोसिएशन और फिशनेट विनिर्माताओं की चिंताओं को दूर करने के लिए एसोसिएशन के साथ चर्चाएं भी शुरू कर दी हैं । कंपनी ने एसोसिएशन को सूचित किया है कि यदि जरूरत पड़ती है तो उद्योग भविष्य में यदि समग्र मांग आपूर्ति से अधिक हो जाती है तो फिशनेट अनुप्रयोगों के लिए यार्न की अतिरिक्त मांग को पूरा करने की दृष्टि से अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की भी क्षमता रखता है । (वर्तमान क्षमता वस्तुतः देश में वर्तमान से अधिक है) ।

(म) 67 डेसीटेक्स से कम के मोनोफिलामेंट को छोड़कर डेनियर पर विचार किए बिना दृढ़ता के आधार पर सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण में एन एफ वाई को स्पष्ट रूप से श्रेणीबद्ध किया गया है जिसमें उच्च दृढ़ता को 60 सेंटीवोटन्स/टैक्स से अधिक की दृढ़ता के रूप में परिभाषित किया गया है ।

(य) 210 डी से कम और उससे अधिक की श्रेणी वाले डेनियर का जहां उल्लेख किया गया है, वहां आवेदक 50 सेंटीवोटन्स/टैक्स की पृथक दृढ़ता के उल्लेख वाले 210 डेनियर के आधार पर अपनी स्वयं की परिभाषा देकर मामले को पेचीदा बनाने का प्रयास कर रहे हैं जबकि उद्योग सामान्य वस्त्र अनुप्रयोगों के लिए 50 सेंटीवोटन्स/टैक्स से अधिक के अनेक डेनियर का उत्पादन कर रहा है ।

(र) मूल जांच में प्राधिकारी का अंतिम निर्धारण स्व-स्पष्ट है जिसमें उच्च दृढ़ता वाले यार्न को जांच से बाहर रखा गया है ।

(ल) सी आई एफ टी द्वारा प्रदत्त उद्धरण इस बात को स्पष्ट करते हैं कि फिशनेट यार्न नामक कोई वस्तु नहीं है और यह केवल एन एफ वाई है । इसके अलावा, 57 सेंटीवोटन्स (6.3 जी डी पी) और उससे अधिक के दृढ़ता वाले एन एफ वाई गिलनेट्स और क्रॉल नेट्स के लिए उपयुक्त होते हैं ।

(व) अलग-अलग अनुप्रयोग के आधार पर कमतर पक्ष के लिए वर्तमान मानकों को संशोधित करने की मांग न्यायसंगत नहीं है। 60 सेंटीवोटन्स की उच्च दृढ़ता का सीमाशुल्क श्रेणीकरण किसी विशिष्ट अनुप्रयोग को छोड़कर सामान्य एन एफ वाई के स्वीकृत अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर आधारित है। प्रौद्योगिकी उन्नयन के साथ मानकों का संशोधन उच्चतर दिशा में होना चाहिए और न कि प्रयोक्ता उद्योग द्वारा निर्धारित वर्तमान उच्च दृढ़ता अपेक्षा मानकों, जो >7 जी डी पी है के आधार पर कमतर दिशा में।

(श) सेंचुरी एंका लि. ने इस समूह के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकीय मशीनें स्थापित की हैं और उसकी सभी संपत्तियां समान दृढ़ता के आयातित यार्न के समतुल्य हैं।

### एन एफ वाई के भारतीय उद्योग के प्रकटन के बाद के अनुरोध

10. एन एफ वाई के भारतीय उद्योग ने सभी पूर्ववर्ती अनुरोधों को दोहराया है। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय फिशनेट उद्योग की मांग को पूरा करने की उनकी पर्याप्त क्षमताओं और यार्न की अन्य किस्मों की तुलना में फिशनेट के विनिर्माण में प्रयुक्त एन एफ वाई की उनके अनुकूल कीमत निर्धारण से संबंधित अनुरोधों को दोहराया है। उन्होंने यह बताया है कि याचिकाकर्ता फिशनेट अनुप्रयोग के लिए एन एफ वाई को पाटनरोधी शुल्क के दायरे से बाहर रखे जाने के लिए पर्याप्त आधार प्रस्तुत करने में विफल रहे हैं। दूसरी ओर भारतीय उद्योग ने यह दावा किया है कि याचिकाकर्ता के दावे गलत हैं और फिशनेट अनुप्रयोगों के लिए प्रयुक्त उत्पाद एन एफ वाई को जांच के दायरे में शामिल करना उचित है और इस उत्पाद को लागू उपायों के दायरे में शामिल किया जाना जारी रखने के लिए पर्याप्त न्यायसंगत आधार मौजूद है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

11. प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में उपलब्ध सभी संगत सूचनाओं पर विचार किया है। यह नोट किया जाता है कि वर्तमान मामले में याचिका मै. इंडियन फिशनेट मैनु. एसो. {आई एफ एम ए} द्वारा दायर की गई थी जो निम्नलिखित आधारों पर फिशनेट यार्न को जांच से बाहर रखने के अपने कार्यक्षेत्र तक सीमित थी:

क. मूल जांच में शामिल प्रमुख आवेदक मुख्यतः वस्त्र यार्न के व्यवसाय में कार्यरत थे और जांच का कार्यक्षेत्र केवल वस्त्र ग्रेड यार्न (<210डी तथा <60 सेंटीवोटन्स/ टैक्स की दृढ़ता वाले) इस जांच के कार्यक्षेत्र में 210 डी और उससे अधिक (210, 420, 630, 840, 1260, 1680, 1890) के फिशनेट यार्न को शामिल नहीं किया गया था और इस संबंध में कोई विश्लेषण या कोई आंकड़े प्रस्तुत अथवा उनकी जांच नहीं की गई थी।

ख. चूंकि पाटनरोधी जांच वस्त्र यार्न (<210डी तथा <50 जीपीडी की दृढ़ता वाले) के लिए की गई थी और न कि सामान्य और उच्च दृढ़ता वाले यार्न, दोनों के

फिशनेट यार्न के लिए, इसलिए याचिकाकर्ता यह अनुरोध करते हैं कि फिशनेट यार्न की इन दोनों श्रेणियों को इस अधिसूचना के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए ताकि भारत का फिशनेट उद्योग पाटनरोधी शुल्क के बिना 210 डी यार्न और उससे उच्च डेनियरेज के नायलोन फिलामेंट यार्न का आयात करने में सक्षम हो सकें ।

- ग. फिशनेट उद्योग विकसित देशों से विकासशील देशों की ओर चला गया है और भारत के इस उद्योग के एक केंद्र के रूप में उभरने की संभावना है । आधुनिक मात्स्यिकी की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह आवश्यक है कि भारतीय विनिर्माताओं को बिना किसी प्रतिबंध के अंतर्राष्ट्रीय बाजार से उच्च और सामान्य दृढ़ता, दोनों के उच्च घनत्व और कम घनत्व वाले यार्न के आयातों की अनुमति दी जाए ।

12. जांच की प्रक्रिया के दौरान याचिकाकर्ता ने जांच से बाहर रखने के अपने दावे के समर्थन में अनेक अन्य कारण/न्यायसंगत आधार प्रस्तुत किए हैं । घरेलू उद्योग ने उत्पाद की इस किस्म को बाहर रखने के दावे पर अनेक आधारों की दृष्टि से प्रश्न उठाए हैं । यह नोट किया जाता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी से वर्तमान उपायों से संबंधित किसी अन्य पहलू पर विचार करने का अनुरोध नहीं किया है । प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत याचिका और विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों पर विचार करते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच का कार्यक्षेत्र इस विशिष्ट मुद्दे तक सीमित है कि क्या फिशनेट के विनिर्माण में प्रयुक्त यार्न की एक या उससे अधिक विशिष्ट किस्म को इन उपायों के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा जाना अपेक्षित है ।

13. विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों में से एक मै. सेंचुरी एंका लि. के परिसर में मौके पर जांच की गई थी । सत्यापन के दौरान निम्नलिखित पहलू सामने आए थे :-

(क) कंपनी ने नायलोन फिलामेंट यार्न के विभिन्न किस्मों के विनिर्माण के लिए समर्पित सुविधाएं स्थापित की हैं जिनमें से एक का प्रयोग फिशनेट के विनिर्माण में किया जाता है ।

(ख) कंपनी ने वह मशीनें दिखाई जिन्हें उस नाइलोन यार्न के उत्पादन हेतु डिजाइन किया गया है जिसका प्रयोग फिशनेट के विनिर्माण में किया जा सकता है । तथापि, इस उत्पाद की मांग की कमी के मद्देनजर कंपनी को इस मशीन को यार्न की अन्य किस्मों के उत्पादन के लिए प्रयोग करने हेतु बाध्य होना पड़ा है ।

(ग) एन एफवाई के उत्पादन हेतु विनिर्माण सुविधाओं में भारी संख्या में मशीनें शामिल हैं। सामान्यतः प्रत्येक मशीन भिन्न-भिन्न डेनियर के एन एफ वाई का उत्पादन कर सकती है। तथापि, व्यवहार में विशिष्ट रूप से विनिर्माताओं ने विशिष्ट डेनियर के लिए भिन्न-भिन्न मशीनों को विनिर्दिष्ट किया है। इस प्रकार सेंचुरी एंका ने अनेक मशीनों को 210 डेनियर या उससे अधिक के एन एफ वाई का निर्माण करने के लिए विशेष रूप से विनिर्दिष्ट किया है। तथापि, उत्पादक मशीनों की स्थापित प्रणाली को आसानी से बदल सकते हैं और बाजार की जरूरतों के मुताबिक भिन्न डेनियर का उत्पादन कर सकते हैं। इस प्रकार उत्पादक बाजार संबंधी अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाकर भिन्न-भिन्न डेनियर के यार्न के उत्पादन के लिए मशीनें विनिर्दिष्ट कर सकते हैं।

(घ) आवेदक द्वारा "फिशनेट यार्न" शब्दावली का प्रयोग वस्तुतः "फिशनेट अनुप्रयोग हेतु प्रयुक्त नाइलोन फिलामेंट यार्न" के रूप में किया गया है।

(ङ) उच्च दृढ़ता वाले फिशनेट यार्न समेत उच्चत दृढ़ता यार्न का पहले ही दिनांक 3 जुलाई, 2006 के मूल जांच के अंतिम जांच परिणामों द्वारा पाटनरोधी शुल्कों के दायरे से दूट प्रदान की गई है। इसके लिए किसी समीक्षा की जरूरत नहीं है।

(च) 630 डी से कम दृढ़ता वाले यार्न का उत्पादन भारतीय उत्पादकों द्वारा किया जा रहा है और फिशनेट उत्पादकों को इसकी आपूर्ति की गई है। याचिकाकर्ता ने इस बात को सिद्ध नहीं किया है कि जांच से बाहर रखने की मांग किए जाने वाले उत्पाद भारतीय उत्पादकों द्वारा आपूर्ति नहीं किए जाते हैं।

(छ) एन एफ वाई की संबद्ध किस्म का फिशनेट अनुप्रयोगों में कोई समर्पित उपयोग नहीं है। इस प्रकार के यार्न का प्रयोग अनेक अन्य उत्पादों के विनिर्माण में भी किया जाता है।

(ज) अनेक अनुप्रयोगों वाले किसी उत्पाद का भारतीय उत्पादकों द्वारा उत्पादन और आपूर्ति किया जाना उत्पाद विवरण या अनुप्रयोगों के आधार पर उसे जांच से बाहर रखने के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ता है।

(झ) प्राधिकारी मानते हैं कि सी आई एफ टी से प्राप्त आई एस-440-2006 प्रमाण-पत्र नायलोन फिलामेंट यार्न के उत्पाद विवरण और वर्तमान जांच की दृष्टि से असंगत है । भारत में आयातित उत्पाद का विवरण और भारतीय उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद का विवरण अपेक्षाकृत अधिक संगत है ।

(ञ) फिशनेट बनाने के लिए उत्पादि और बेचे गए नायलोन फिलामेंट यार्न उच्च और निम्न दोनों प्रकार की दृढ़ता वाले यार्न हो सकते हैं । घरेलू उद्योग कम दृढ़ता वाले यार्नों का पर्याप्त मात्राओं में नियमित रूप से उत्पादन तथा आपूर्ति करता रहा है ।

(ट) उच्च दृढ़ता वाले नायलोन के यार्न का पहले ही उस विचाराधीन उत्पाद के दायरे से छूट प्रदान की गई है जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है ।

(ठ) कतिपय प्रकार के कम दृढ़ता वाले यार्न (630 डेनियर से कम) को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखने का कोई न्यायसंगत आधार नहीं है क्योंकि उनका उत्पादन और आपूर्ति घरेलू उद्योग द्वारा की जाती है । इस बात को याचिकाकर्ता ने भी माना है ।

(ड) फिशनेट विनिर्माताओं की अधिकांश मांग को घरेलू उद्योग द्वारा पूरा किया जा रहा है और इस संबंध में फिशनेट विनिर्माताओं द्वारा किया गया दावा सही नहीं है । इसके अलावा याचिकाकर्ता का यह दावा कि भारतीय उद्योग मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, भी सिद्ध नहीं किया गया है ।

(ढ) चूंकि याचिकाकर्ता ने विशिष्ट रूप से यह आरोप लगाया था कि उनकी उत्पाद संबंधी जरूरत को घरेलू विनिर्माताओं द्वारा पूरा नहीं किया गया है, इसलिए इस मामले की विस्तृत रूप से जांच की गई थी । यह देखा गया था कि देश में यार्न की इस किस्म के उत्पादन की स्थापित क्षमताएं इस उत्पाद की मांग से अधिक हैं, अब अपने प्रकटन के बाद के अनुरोधों में आई एफ एम ए द्वारा इस पहलू को स्वीकार किया गया है जो इस बात पर सहमत हुए हैं कि भारत में 210 डेनियर या उससे अधिक के एन एफ वाई का विनिर्माण करने की उत्पादन क्षमता मौजूद है और कतिपय उत्पादकों द्वारा इसकी आपूर्ति की जाती है ।

14. याचिकाकर्ता ने "फिशनैट यार्न " का हवाला दिया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नाइलोन फिलामेंट यार्न के अनेक उपयोग होते हैं, जिनमें फिशनैट का उत्पादन शामिल है। फिशनैट संबंधी अनुप्रयोगों के लिए निम्नलिखित प्रकार के नाइलोन यार्न का प्रयोग किया जाता है -

➤ 210, 420 तथा 630 डेनियर के नायलोन फिलामेंट यार्न जिनकी सामान्य दृढ़ता 60 सेंटीवोटन/टैक्स होती है तथा जिनका प्रयोग कमतर कोड वाले फिशनैट निर्माण में होता है।

➤ 840, 1050, 1260, 1680, 1890 डेनियर वाले नायलोन फिलामेंट यार्न जिनकी दृढ़ता 60 सेंटीवोटन्स/टैक्स या उससे अधिक होती है तथा जिनका प्रयोग उच्चतर कोड वाले फिशनैट निर्माण में होता है।

यह नोट किया जाता है कि केवल 840 डेनियर या उससे अधिक के नायलोन फिलामेंट यार्न का उत्पादन उच्च दृढ़ता वाले यार्न के रूप में होता है जबकि 630 डेनियर तक के नायलोन फिलामेंट यार्न को कम या सामान्य दृढ़ता वाले यार्न माना जाता है।

15. जहां तक इस मुद्दे का संबंध है कि सामान्य और उच्च दृढ़ता किसे माना जाए, प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम में उच्च दृढ़ता वाले यार्न के अर्थ को विनिर्दिष्ट किया गया है। वे सभी यार्न जो उच्च दृढ़ता के अंतर्गत वर्गीकृत नहीं हैं, सामान्य (या कम) दृढ़ता वाले यार्न होते हैं। सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम में अध्याय-54 और 59 के अंतर्गत "उच्च दृढ़ता वाले यार्न" और ऐसे यार्न से बने वस्त्रों संबंधी व्यवस्थाएं दी गई हैं और इनमें निम्नानुसार बताया गया है :-

"उच्च दृढ़ता वाले यार्न" शब्दों का अर्थ वह यार्न है जिनकी दृढ़ता सी एन/टैक्स (सेंटीवोटन्स प्रति टैक्स) के रूप में व्यक्त, निम्नलिखित से अधिक हो:

नायलोन या अन्य पोलिमाइड्स या पोलिस्टर के एकल यार्न..... 60 सी एन/टैक्स

नायलोन या अन्य पोलिमाइड्स या पोलिस्टर के मल्टीपल (फोल्डेड) या केबल्ड यार्न  
..... 53 सी एन/टैक्स

विसकोस रेयन के सिंगल मल्टीपल (फोल्डेड) या केबल्ड यार्न..... 27 सी एन/टैक्स

16. एन एफ वाई के लिए घरेलू उद्योग में साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं जो यह दर्शाते हैं कि वे मूल जांच के समय 210 डेनियर्स से अधिक के नायलोन फिलामेंट यार्न के उत्पादन में शामिल थे । घरेलू उद्योग ने इस प्रयोजनार्थ कंपनीवार एक प्रति उपलब्ध कराई है और तत्पश्चात् पूर्ववर्ती जांच के रिकार्डों से एन एफ वाई के विभिन्न प्रकारों के डेनियर्स वाइज समेकित उत्पादन और बिक्री संबंधी विवरण उपलब्ध कराए हैं और यह अनुरोध किया है कि यह सूचना पहले से ही निर्दिष्ट प्राधिकारी के रिकॉर्ड में है । यह देखा जाता है कि 210 डेनियर्स से अधिक के एन एफ वाई का पर्याप्त उत्पादन और बिक्रियां हैं । घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित आंकड़ों के माध्यम से यह प्रदर्शित किया है कि (क) 210 और उससे अधिक डेनियर्स का क्षमता उपयोग तथा (ख) 210 और उससे अधिक डेनियर्स की बिक्री कीमत दोनों समग्र उत्पाद के लिए इनकी क्षमता उपयोग और बिक्री कीमत से काफी कम रही है :-

### क्षमता उपयोग

विवरण	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
210 डेनियर्स तथा अधिक	47.78%	34.99%	59.54%	67.04%
सभी एन एफ वाई	92.75%	86.87%	82.42%	86.10%

### बिक्री कीमत

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
210 डेनियर्स तथा अधिक	रु./किग्रा.	166.15	156.67	152.56	159.84
सभी एन एफ वाई	रु./किग्रा.	165.38	171.32	179.35	184.03
कीमत में अंतर	रु./किग्रा.	0.77	(14.65)	(26.79)	(24.19)

17. घरेलू उत्पादकों ने फिशनेट यार्न के विभिन्न डेनियर्सों के विनिर्माण के लिए अनेक मशीनें लगाई हैं । विशेष रूप से यह पाया गया था कि सैंचुरी एंका ने 210 डेनियर्स से अधिक के नायलोन फिलामेंट यार्न के विनिर्माण के लिए अनेक मशीनें स्थापित की हैं । वस्तुतः कंपनी के उत्पादन संबंधी रिकॉर्ड इन मशीनों का अल्प प्रयोग और अन्य यार्नों के विनिर्माणों के लिए इन मशीनों के वैकल्पिक उपयोग को दर्शाते हैं ।

18. याचिकाकर्ता ने यह तर्क दिया है कि फिशनेट यार्न विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र और प्राधिकारी द्वारा पहले अधिसूचित अंतिम जांच परिणामों में अनुशंसित शुल्कों के दायरे से बाहर रहा था। इस मामले की विस्तार से जांच की गई है। यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने फिशनेट यार्न समेत सभी उच्च दृढ़ता वाले यार्नों को जांच से बाहर रखने की सिफारिश की थी। इस प्रकार केवल उच्च दृढ़ता वाले यार्नों को पाटनरोधी शुल्क के दायरे से छूट दी गई थी और उच्च दृढ़ता वाले यार्न होने के कारण फिशनेट यार्न को भी छूट दी गई थी। मूल कार्यवाही में प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित अंतिम जांच परिणामों और वर्तमान कार्यवाही की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों समेत उपलब्ध सामग्री को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मानते हैं कि फिशनेट अनुप्रयोग के लिए प्रयुक्त कम दृढ़ता वाला नायलोन फिलामेंट यार्न विचाराधीन उत्पाद और मौजूदा उपायों के दायरे के भीतर आता है। इसके अलावा, प्राधिकारी मानते हैं कि कम दृढ़ता वाले उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद और वर्तमान उपायों के कार्यक्षेत्र के भीतर रखा जाना इस तथ्य को देखते हुए सही है कि इस उत्पाद का भारत में पाटन किया जा रहा था जबकि घरेलू उद्योग द्वारा इसका उत्पादन और आपूर्ति की जा रही थी। तथापि, यह स्पष्ट किया गया है कि उच्च दृढ़ता वाले यार्नों की सभी किस्मों को उनके अनुप्रयोग पर विचार किए बिना मौजूदा उपायों के दायरे से बाहर रखा गया है। अतः फिशनेट के विनिर्माण में प्रयुक्त उच्च दृढ़ता वाले नायलोन के यार्न मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों के दायरे से बाहर हैं।

19. प्राधिकारी का यह मत है कि नायलोन फिलामेंट यार्न का उनके अनुप्रयोग के आधार पर जैसे टेक्सटाइल नायलोन यार्न, फिशनेट नायलोन यार्न आदि के रूप में अलग-अलग या श्रेणीबद्ध नहीं किया जा सकता है। उन्हें उनकी तकनीकी विशेषताओं अर्थात् दृढ़ता और डेनियर के अनुसार श्रेणीबद्ध किया जा सकता है। तदनुसार प्राधिकारी अपने इन जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं कि फिशनेट के विनिर्माण में प्रयुक्त यार्न समेत उच्च दृढ़ता वाले नायलोन फिलामेंट यार्न की सभी किस्मों जो सीमाशुल्क वर्गीकरण संख्या 54.02.10 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं, वह मूल कार्यवाही में दिनांक 3 जुलाई, 2006 के उनके अंतिम जांच परिणामों द्वारा अनुशंसित पाटनरोधी उपायों के दायरे से बाहर हैं।

20. केन्द्र सरकार द्वारा इन जांच परिणामों को स्वीकृत किए जाने के बाद इनके विरुद्ध कोई अपील 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES )

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 11th June, 2010

**FINAL FINDINGS**

**Sub : Anti-Dumping (Mid-Term Review) investigation regarding limited issue of anti-dumping duty imposed on imports of Nylon Filament yarn (used for manufacture of fishing nets) originating in or exported from China PR, Chinese Taipei, Malaysia, Indonesia, Thailand and Korea R.P.**

**No. 15/3/2009-DGAD.**—Whereas the Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, initiated the original investigation vide Notification No. 14/5/2005-DGAD dated 4<sup>th</sup>, July, 2005. The Authority issued its final findings recommending imposition of definitive anti dumping duty on imports of Nylon Filament Yarn (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR, Chinese Taipei, Malaysia, Indonesia, Thailand and Korea RP (hereinafter referred as subject countries), vide Notification No. 14/5/2005 – DGAD dated 3<sup>rd</sup> July, 2006 and such definitive duty was imposed by the Government of India vide Customs Notification No. 85/2006 dated 29.08.2006.

2. And whereas the Designated Authority in terms of Rule 23 of Anti Dumping Rules and Section 9A(5) of Customs Tariff (Amendment) Act, 1995, received an application from the petitioners namely Indian Fishnet Manufacturers Association (IFMA), Chennai for the review of Anti Dumping Duty on Nylon Filament Yarn meant for fishnet applications. The petitioners claimed that the circumstances have changed substantially requiring a review of anti dumping measures in force. The need for review was pleaded on the following grounds:-

- (i) The principal applicants in the original investigation were largely in textile yarn business and the scope of investigation was relating to textile grade yarn only (<210D & tenacity <60 Centinewtons/Tex.). Fishnet yarn being 210D and above (210, 420, 630, 840, 1260,

1680, 1890) were not covered in the scope of the investigation & no analysis or data were presented & investigated.

- (ii) Since anti-dumping investigation was carried out for Textile yarn (<210D yarn & tenacity <50 GPD) and not on fishnet yarn, of both normal & higher tenacity yarn, petitioner requests that both these categories of Fishnet yarn should be kept outside the scope of this Notification. This would enable the Fishnet industry in India to import Nylon Filament Yarn of 210D yarn and above denierage without Anti-dumping Duty.
- (iii) Fishnet Industry has moved away from developed countries to developing countries & India is expected to emerge as a hub for this industry. In order to meet with the requirements of modern fishing, it is necessary therefore that the Indian manufacturers are allowed to import High Density & Low Density yarn of both high & normal tenacity from the international market with no restriction.

3. And whereas on the basis of the written application received by the Designated Authority substantiating the need for review, the Authority initiated mid-term review investigation vide notification no. 15/3/2009-DGAD dated 19<sup>th</sup> June, 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary.

#### PROCEDURE

4. In these proceedings the procedure described below has been followed:

- (i) The Authority issued a public notice vide notification no. 15/3/2009-DGAD dated 19<sup>th</sup> June, 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary intimating therein initiation of midterm review investigations.
- (ii) After initiation of the review investigations, the Authority sent questionnaires, along with the initiation notification, to the known exporters/producers in the subject country in accordance with the Rule 6(4), to elicit relevant information.
- (iii) Notice was sent to the Indian Producers of NFY seeking relevant information in accordance with the Rules;
- (iv) The Embassies of the subject countries in New Delhi was informed about the initiation of the investigation, in accordance with the Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- (v) Questionnaires were sent to the known importers of the subject goods in India calling for the necessary information in accordance with the Rule 6(4),

- (vi) Transaction-wise data of imports for the period of investigation and preceding three years were called from Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) in addition to the data of IBIS provided by the domestic industry.
- (vii) Copies of the initiation notification were also sent to FICCI, CII and ASSOCHAM for wider circulation.
- (viii) The domestic industry for the subject goods responded to the notice of initiation, opposing exclusion of any product type from the scope of duties. No other interested parties filed their response to the initiation notification.
- (ix) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent considered relevant;
- (x) The Authority held a public hearing on 30.11.2009 to hear the interested parties orally which was attended by the representatives of interested parties. The written submissions received from interested parties, to the extent relevant, have been considered in this findings;
- (xi) Investigation was carried out for the period of investigation (POI), which is 1<sup>st</sup> April 2008 to 31<sup>st</sup> March 2009 (12 months).
- (xiii) In the original investigation, the application was jointly filed by M/s. Modipon Limited, Modinagar, JCT Limited, Hoshiarpur, Shree Synthetics Limited, Ujjain and Gujarat State Fertilizers Company Limited, Vadodara. M/s Century Enka had supported the original application. The Authority had considered that M/s. Modipon Limited, JCT Limited, Shree Synthetics Limited and Gujarat State Fertilizers Company Limited and Century Enka constituted domestic industry.
- (xiv) No questionnaire response or views have been filed by any other interested parties with respect to the present investigation.
- (xv) The Authority issued a disclosure of essential facts under rule 16 to the known interested parties on 28<sup>th</sup> May, 2010 and the response was received from the petitioner ie. Indian Fishnet Manufacturers Association, Chennai and from the Indian industry producing the subject goods.

#### **PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

5. The product involved in the original investigation was Synthetic Filament Yarn of Nylon or Polyamides (also described as Nylon Filament Yarn and also referred to as subject goods). Nylon Filament Yarn is a synthetic filament yarn produced by polymerisation of organic monomers. Nylon filament yarn has vast

applications in textiles applications, which includes saree, dupatta, women's dress material / fashion wear, fancy causal knit wear, stockings and socks, intimate wear and foundation wear, lingerie and night wear, briefs, panties, slips, kids wear, sports wear and active wear, swim wear and beach wear, outer wear, wind wear, fashion accessories, elastic tapes, show/footwear linings, laces/fancy tapes, tie/scarves, feather yarn, ribbons/satin ribbons, etc.

6. The product under consideration in the original investigation included all kinds of synthetic filament yarns of Nylon or Polyamides, other than sewing thread, such as flat yarn - twisted and/or untwisted, fully drawn yarn (FDY), spin drawn yarn (SDY), fully oriented yarn (FOY), high oriented yarn (HOY), partially oriented yarn (POY), textured yarn - twisted and/or untwisted, and dyed yarn, single, double, multiple, folded or cabled, classifiable within Chapter 54 under customs subheading no. 5402, but excludes high tenacity yarn of nylon or other polyamides. The product included all variants of Nylon Filament Yarn or Polyamide Yarns such as flat/textured/twisted/ untwisted, bright/semi-dull/ full-dull (or variants thereof), Grey/colored/ dyed (or variants thereof), single/ double/ multiple/ folded/ cabled (or variants thereof), whether or not sized, but excluded high tenacity yarn of nylon classifiable under customs sub-heading 5402.10 and fishnet yarn, classifiable under customs classification no. 5402.10. Accordingly, all types of high tenacity nylon filament yarn, classifiable under customs classification no. 5402.10 were beyond the scope of original investigation. The Customs classification, however, was only indicative and was in no way binding on the scope of the original investigation.

However, the present mid-term review is for the limited purpose of Nylon Filament Yarn used for the manufacture of fishing nets which is the subject goods for the purpose of this review.

#### **Views of the Applicant (Indian Fishnet manufacturers Association)**

7. The following submissions are made by IFMA in their application:

- a) All types of high tenacity yarn and fishnet yarn under the custom classification 54.02.10 are beyond the scope of the present investigation. Therefore, applying ADD on the fishnet yarn of 210D and above, when the product was outside the scope of basic investigation is not justified.
- b) The fishnet yarn does not fall within the scope of the investigation as the portfolio of all the applicants in the original investigation is distinct from the Fishnet Grade Yarn of 210 D & above.
- c) The costing information of the applicants also pertains only to the textile grade yarn & does not include fishnet grade yarn. Also, the goods imported from the subject countries were Textile grade yarn of 40D & upto <210 D and has no relevance to both normal and high tenacity fishnet yarn category with 210D and upto 1890D.

- d) In the process, the fishnet yarn with normal tenacity got included with ADD applicable products but it is unjustified to include the NFY of 210D and above for the applicability of the duty.
- e) The total demand of fishnet yarn in India is estimated to be around 600 Mts/month on the average out of which that of 210D fishnet is 90 Mts/month. Applicants are contributing just less than 15% and do not fulfill the total demand of the market. The fishnet industry in India is expected to grow and therefore it will be disadvantageous to charge duty on the fishnet yarn.
- f) The scope of the original investigation was relating to the textile grade yarn only (<210D with tenacity <50 centinewtons/Tex). Fishnet Yarn being 210D & above, (210D & upto 1890D) were never investigated & no data relating to this product was analyzed by the investigating authorities.
- g) As per the Central Institute of Fisheries technologies (CIFT), the Nylon Filament of lower grams per denier (GDP) is used for the Fishnet manufacturers. As per the BIS standard the Nylon Yarn having a minimum tenacity of 6.3 GDP (57 Centinewtons/Tex) and above are absolutely suitable for the fishnet manufacture.
- h) As per the current notification, only NFY with 60 newtons/tex and above are exempted from the scope. NFY with 57 centinewtons/tex should also be exempted as these yarns are used extensively in the manufacture and repair of fishnets.
- i) Demand-supply trend for the period 2008-09 for NFY makes it evident that the LD-FNY (210D, 420 D and 630 D) import is not significant (17.8% of the total demand is being imported).
- j) Quality of imported LD-FNY is superior to Indian sources as per the feed back collected from all the fishnet producers in India (in terms of consistency in denier, elongation & tenacity and evenness).
- k) Century Enka yarn quality is indicated as 6.3 GPD (57 centinewtons/tex). While the 6.3 GPD yarn is acceptable to Indian Customers, the package is not suitable for most of the Indian manufacturers in India.
- l) Designated Authority is requested to amend the existing notification as "synthetic filament yarn including synthetic mono filament of less than 67 decitex of nylon or other polyamide falling under chapter 54, excluding all high tenacity yarn & tenacity measuring 57 centi newtons/tex & above, originating in or exported from China, Taiwan, Malaysia & Indonesia, Thailand and Korea when imported into India are liable for anti dumping duty as per the table here under in addition to all other applicable duties"
- m) In order to facilitate the faster growth of the fishnet industry, the import of fishnet yarn with tenacity of 57 centinewtons/tex and above may be exempted from the anti-dumping duties.

#### **Post-Disclosure submissions of IFMA**

8. The following submissions have been made by IFMA in response to the disclosure statement:-

- (a) The original investigation was conducted by the Authority on the basis of cost data, trade data and information on denierage etc. only of textile grade yarn which falls below 210 denier and with tenacity below 50 centi-newtons/tex.. No technical data or information was submitted by the petitioners for NFY of 210 denier and above which is used for manufacture of fishnets. Therefore, NFY of 210 denier and above cannot be included in the scope of NFY and the anti dumping duty imposed thereon.
- (b) Inclusion of NFY of 210 denier and above in the scope of anti dumping duty irrespective of its tenacity is unjustified as this category of NFY was not a part of the original petition and the dumping was taking place in the case of NFY below 210 denier used in the textile sector.
- (c) It is agreed that there is production capacity in India for manufacturing NFY of 210 denier and above and supplies are being made by some Indian producers. But other manufacturers are predominantly in the textile grade NFY and they supply to fishnet industry as a matter of 'fall-back' strategy.
- (d) It is an accepted policy of the Government of India that imports are allowed freely for all raw materials. Therefore, there is no justification to impose anti dumping duty on NFY of 210 denier and above with normal tenacity even if there is capacity to manufacture the item domestically. A customs duty of 27.2% on the CIF price is an adequate tariff barrier to give full protection to Indian manufacturers.

#### **Views of the Indian Industry for Nylon Filament Yarn**

9. In response to the application filed by IFMA following are the submissions of the Indian Producers of NFY:
- a) The present review concerns with the exclusion of (a) fishnet yarn of 210 deniers and above (210, 420, 630, 840, 1260, 1680, and 1890) and (b) fishnet yarn of both normal and high tenacity.
  - b) The review conducted is limited to nylon filament yarn meant for fishnet applications and is not extended to other aspects of the original investigation relating to the product under consideration, like article, scope of the domestic industry, dumping, injury and causal link. Supreme Court decision in the matter of Rishiroop Polymers v. Designated Authority was relied upon wherein it was held that the scope of midterm review under Rule 23 should be limited to the grounds brought out by an interested party.
  - c) There is no information provided by the applicants to explain as to what fishnet yarn is and why Nylon Filament Yarn (<210D yarn & tenacity <50 GPD), of both normal & higher tenacity yarn, should be excluded from the scope of the product under consideration.

- d) The nylon filament yarn produced and sold for making fishnets, can be both high and low tenacity yarns. The domestic industry is regularly producing and supplying low tenacity yarns in significant volumes.
- e) As the final findings and the consequent customs notifications already exempts the high tenacity yarn of nylon classified under 5402.10 from the scope of the anti dumping duties, the present investigation cannot include this yarn within the scope of the present investigation. Thus, there is no justification for conducting this review.
- f) The Indian producers being conscious of the nature of the user industry for this particular segment, this product is priced in such a way that the profitability of Indian producers in this product is already less favourable to them as compared to the other types of nylon yarn. Infact, the Indian Industry is selling the product at financial losses to the fishnet industry.
- g) The grounds stated in the initiation notification are insufficient to justify the exclusion of the product concerned.
- h) The high tenacity yarn of nylon is already exempted from the scope of the product under consideration and product attracting anti dumping duties. To such an extent, the present investigation is redundant and must be terminated.
- i) Certain types of low tenacity yarn (below 630 deniers) are produced by the domestic industry and supplied by the domestic industry and therefore were included in the product under consideration. When domestic industry continues to produce and supply the same, there is no justification for the exclusion of these types of yarns. The evidence regarding the same is submitted with the authorities on a confidential basis.
- j) Petitioner has misled the authority in claiming that there were changes in circumstances necessitating the review.
- k) Review with respect of the product under consideration can be sought only on two grounds namely commencement of a new product or discontinuation of the existing product by the domestic industry. Review cannot be sought by any other interested party.
- l) The scope of the review enquiry by the designated authority as determined by the Supreme Court in the matter of Rishiroop Polymers v. Designated Authority is limited to the satisfaction as to whether there is sufficient justification for the continued imposition of such duty on the information received by it. In the absence of any new material in the present case, the designated authority is not justified to apply afresh all parameters or criteria enumerated in Para (iv) of Annexure-II, which had already been done at the initial stage of the imposition of anti dumping duty.
- m) NFY of 210D, 420D & 630D with normal tenacity of 60 centinewton/tex are used in lower code fishnet construction whereas NFY of 840D, 1050D, 1260D, and 1890D with tenacity of 60 centinewton/tex and above are used in higher code fishnet constructions. The nylon yarn of 840D and above is produced as high tenacity yarn, whereas nylon yarn upto 630D are low or normal tenacity yarns.

- n) SRF produces only high tenacity yarn and does not produce low or normal tenacity yarn.
- o) NFY does not have any dedicated use in fishnet applications. A product with multiple applications being produced and supplied by the Indian producers leaves no space for the importance of product description. The IS-440-2006 certificate from CIFT is irrelevant for the product description of nylon filament yarn and the present investigations. The product description imported in India and the product description of the goods supplied by the Indian producers is more relevant.
- p) Designated Authority to clarify the scope of the high tenacity yarn excluded from the scope of the product under consideration in the light of the production and supply by the Indian Industry.
- q) The demand of the fishnet manufacturers is substantially being met by the Indian industry denying the claim of the fishnet manufacturers that Indian industry is not capable to meet the demand supply gap.
- r) Capacity of Indian producers for low tenacity yarn of 210 deniers and above is grossly under-utilized. Indian producers have even enhanced their production in the light of increasing demand but the capacity utilization has declined significantly which would further deteriorate on the revocation of the anti dumping duties. The Indian industry continues to face negative profitability, return on investment and cash flow due to dumping of the subject product.
- s) No evidence is provided by the applicant establishing that the injury and dumping are unlikely to continue on revocation of duties. Indian industry contends that there is sufficient justification for including the nylon filament yarn for manufacturing fishing nets under the scope of the measures.
- t) The fishnet manufacturers concede the fact that out of 560-mt demand for LD-FNY, the Indian industry is supplying 460 mt/month. In that case there is no question of quality. IFMA concedes on the technical aspects of the product of century Enka where the argument of package is wholly irrelevant.
- u) Indian producers do recognize the importance of the fisheries industry in India and therefore already sell the yarn to fishnet manufacturers at competitive prices. It may be appreciated that the legitimate business expectations of the manufacturers of the fair market for their product is viable.
- v) Indiscriminate dumping of NFY in the country has earlier caused so significant injury to the industry that Modipon and Baroda Rayon have completely closed and GSF, JCT and Century are also suffering significant financial losses.
- w) Century Enka has even initiated discussions with the Association in order to allay the concerns of the Association and the fishnet manufacturers. The company informed the association that, if need be, the industry is even willing to enhance its capacities in order to meet any additional demand of yarn for fishnet application in future in case the overall demand exceeds supply (the current capacity in fact is higher than the current demand in the Country).
- x) NFY in custom tariff classification has been clearly categorized, irrespective of denier except for monofilament less than 67 decitex, on the basis of tenacity wherein high tenacity is defined as tenacity greater than 60 centinewtons/tex.

- y) Where the denier categorization with 210D lower and above has been mentioned, the applicants are trying to complicate the matter by giving its own definition based on 210 denier with separate tenacity mention of 50 centinewtons/tex where industry is producing many deniers with more than 50 centinewtons/tex for normal textile applications.
- z) The final determination of the authority in the original investigation is self explanatory wherein the high tenacity yarn is excluded.
- aa) The extracts provided by CIFT makes it evident that there is nothing called fishnet yarn and it is NFY only. Also the NFY with tenacity 57 centinewtons (6.3 GDP) and above is suitable for Gill nets and crawl nets.
- bb) Demand of revising the current norms on lower side based on an individual application is unjustified. Customs categorization of high tenacity at 60 centinewtons is based on the accepted international norms for general NFY not alone for any specific application. With the technology up gradation, the revision of norms should be in upward direction and not downward side based on the current high tenacity requirement standards set by the user industry which is >7 GDP.
- cc) Century Enka Limited has installed latest state of art technology machine for this segment and all its properties are at par with the imported yarn of similar tenacity.

#### **Post-disclosure submissions of Indian Industry for NFY**

10. The Indian Industry for NFY has reiterated all their previous submissions, particularly those regarding their sufficient capacities to fulfil the demand of Indian fishnet industry and their favourable pricing of NFY used for manufacturing fishnet as compared to other types of yarn. They have stated that the petitioner have failed to establish sufficient ground for excluding NFY for fishnet application from the scope of anti dumping duties. On the other hand, the Indian industry has claimed that the claims of the petitioner are incorrect and the product NFY for fishnet applications was rightly included in the scope of investigation and there is sufficient justification for continuing to include the product within the scope of measures.

#### **Examination by the Authority**

11. The Authority has considered all relevant information on record. It is noted that the petition in the instant case was filed by M/s Indian Fishnet Manufacturers Association (IFMA), Chennai, limited in its scope to possible exclusion of Fishnet Yarn on the following grounds:

- a. The principal applicants in the original investigation were largely in textile yarn business and the scope of investigation was relating to textile grade yarn only (<210D & tenacity <60 Centinewtons/Tex.). Fishnet yarn being 210D and above (210, 420, 630, 840, 1260, 1680,

1890) were not covered in the scope of the investigation & no analysis or data were presented & investigated.

- b. Since anti-dumping investigation was carried out for Textile yarn (<210D yarn & tenacity <50 GPD) and not on fishnet yarn, of both normal & higher tenacity, petitioner requests that both these categories of Fishnet yarn should be kept outside the scope of this Notification. This would enable the Fishnet industry in India to import Nylon Filament Yarn of 210D yarn and above denierage without Anti-dumping Duty.
- c. Fishnet Industry has moved away from developed countries to developing countries & India is expected to emerge as a hub for this industry. In order to meet with the requirements of modern fishing, it is necessary therefore that the Indian manufacturers are allowed to import High Density & Low Density yarn of both high & normal tenacity from the international market with no restriction.

12. During the course of the investigation, the petitioner has added a number of other reasons/justifications in support of their claim for exclusion. The domestic industry has disputed the claim for exclusion of this product type on a number of grounds. It is noted that none of the interested parties have requested the Authority to consider any other aspect relating to the present measures. Considering the petition before the Authority and arguments raised by various interested parties, the Authority notes that the scope of the present investigation is restricted to the specific issue as to whether one or more particular types of yarns used for the manufacture of fishnet are required to be excluded from the scope of the measures.

13. On the spot investigation was conducted at the premises of M/s Century Enka Ltd, one of the producers of the product under consideration. Following aspects were observed during the verification:-

- (a) the company has set up dedicated facilities for manufacturing of various types of nylon filament yarn, the application of one of which is in manufacturing of fishnet.
- (b) the company showed the machines, which are designed for the production of nylon yarn that can be used for manufacture of fishnet. However, in view of lack of demand of the product, the company is forced to utilize this machine for production of other types of yarns.
- (c) the manufacturing facilities for production of NFY consist of a large number of machines. Generally, each machine can produce NFY of different deniers. However, in practice, typically, manufacturers dedicate different machines for specific denierage. Thus Century Enka has deployed a number of machines specifically for manufacturing NFY of 210 deniers and above. However, the

producers can easily change the set-up systems of the machines and produce different denierage depending on market requirements. Thus producers deploy machines for production of yarn of different denierage by striking a balance between marketing requirements.

- (d) The terminology "fishnet yarn" used by the applicant in fact refers to "nylon filament yarn used for fishnet application".
- (e) The high tenacity yarn including high tenacity fishnet yarn is already exempted from the scope of anti dumping duties vide final findings of the original investigation dated 3<sup>rd</sup> July, 2006. No review is required for the same.
- (f) The low tenacity yarn below 630D is being produced by the Indian producers and supplied to the fishnet producers. The petitioner has not established that the product sought to be excluded is not supplied by the Indian Producers.
- (g) The subject type of NFY does not have any dedicated use in fishnet applications. This type of yarn is also used in the manufacture of a number of other products.
- (h) A product with multiple application being produced and supplied by the Indian producers leaves no scope for product description or exclusion based on applications.
- (i) The Authority holds that the IS-440-2006 certificate from CIFT is irrelevant for the product description of nylon filament yarn and the present investigation. The description of the product imported in India and the description of product supplied by the Indian producers is more relevant.
- (j) The nylon filament yarn produced and sold for making fishnets can be both high and low tenacity yarn. The domestic industry is regularly producing and supplying low tenacity yarn in significant volumes.
- (k) The high tenacity yarn of nylon is already exempted from the scope of the product under consideration attracting anti dumping duties.
- (l) There is no justification to exclude certain types of low tenacity yarn (below 630 deniers) from the scope of product under consideration as the same are produced and supplied by the domestic industry. This is admitted by the petitioner also.
- (m) The demand of the fishnet manufacturers is substantially being met by the Indian industry and the claim of the fishnet manufacturers on this account is not correct. Further, the claim of the petitioner that the Indian producers are not able to meet the demand is also not established.

(n) Since the petitioner had specifically alleged that their product requirement is not met by domestic manufacturers, the matter was examined in detail. It was observed the installed capacities for the production of this type of yarn in the country are higher than the demand for the product. Now in their post-disclosure submissions, this aspect has been admitted by IFMA who have agreed that there is production capacity in India for manufacturing NFY of 210 denier and above and the same is supplied by certain producers.

14. The Petitioner has referred to "fishnet yarn". The Authority notes that the nylon filament yarn has several applications, which includes production of fishnets. The following types of yarn of nylon are used in fishnet applications-

- Nylon filament yarn of 210, 420 & 630 denier with normal tenacity of 60 centinewton/tex used in the lower code fishnet construction.
- Nylon filament yarn of 840, 1050, 1260, 1680, 1890 denier with tenacity of 60 centinewton/tex and above used in higher code fishnet constructions.

It is noted that nylon filament yarn of 840 denier and above are produced only as high tenacity yarns, whereas nylon filament yarn upto 630 deniers are low or normal tenacity yarns.

15. As regards the issue concerning what constitutes normal and high tenacity, the Authority has examined the same. It is noted in this regard that the Customs Tariff Act specifies the meaning of high tenacity yarn. All those yarns not classifiable as high tenacity are normal (or low) tenacity yarns. The Customs Tariff Act under Chapters 54 and 59 provides for the provisions for the "High Tenacity Yarn" and for the fabrics made from such yarn and states as follows:-

The expression "High Tenacity Yarn" means yarn having tenacity, expressed in cN/tex (centinewtons per tex), greater than the following:

Single yarn of nylon or other polyamides, or of polyesters.....	60
cN/tex.	
Multiple (folded) or cabled yarn of nylon or other polyamides, or of polyesters .....	53
cN/tex.	
Single, multiple (folded) or cabled yarn of viscose rayon.....	27
cN/tex.	

16. The domestic industry for NFY provided evidence to show that they were in production of nylon filament yarn exceeding 210 denierage at the time of original investigation. The domestic industry has provided, for the purpose, a copy of company wise and thereafter consolidated denier wise production and sale of various types of NFY from the records of the previous investigation and submitted that this information is already on record of the Designated Authority.. It is seen that there was significant production and sale of NFY exceeding 210

deniers. The domestic industry have demonstrated through following data that both (a) capacity utilization for the 210 and above deniers and (b) the selling price for 210 and above deniers are significantly lower than the same for overall product:-

#### Capacity Utilization

Particulars	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
210 deniers and above	47.78%	34.99%	59.54%	67.04%
All NFY	92.75%	86.87%	82.42%	86.10%

#### Selling Price

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
210 deniers and above	Rs/Kg	166.15	156.67	152.56	159.84
All NFY	Rs/Kg	165.38	171.32	179.35	184.03
Difference in price	Rs/Kg	0.77	(14.65)	(26.79)	(24.19)

17. The domestic producers deployed a number of machines for manufacturing different deniers of fishnet yarn. In particular, it was found that the Century Enka has deployed a number of machines to manufacture nylon filament yarn higher than 210 deniers. The production records of the company, in fact, show underutilization of these machines and diversion of these machines for manufacturing of other yarns.

18. The petitioner has argued that fishnet yarn was beyond the scope of product under consideration and beyond the scope of duties recommended in final findings earlier notified by the Authority. The matter has been examined in detail. It is noted that the Authority had recommended exclusion of all high tenacity yarns, including fishnet yarns. Thus, only high tenacity yarns were exempted from the scope of anti dumping duty and fishnet yarn was exempted being high tenacity yarn. Having regard to the final findings notified by the Authority in the original proceedings and the available material including the submissions of interested parties during the course of the present proceedings, the Authority holds that low tenacity nylon filament yarn for fishnet application is within the scope of the product under consideration and the existing measures. Further, the Authority holds that the product of low tenacity was rightly included within the scope of the product under consideration and present measures, given the fact that the product was being dumped into India while the same was being produced and supplied by the domestic industry. It is however clarified that all kinds of high tenacity yarn irrespective of their application, are beyond the scope

of the existing measures. Therefore, high tenacity yarn of nylon used in fishnet manufacture are beyond the scope of the existing anti dumping duties.

19. The authority is of the view that the nylon filament yarn cannot be distinguished or categorized on the basis of their application, such as the textile nylon yarn, fishnet nylon yarn etc. The same can be categorized according to their technical characteristics, namely tenacity and denierage. Accordingly, the authority upholds its findings that all types of high tenacity nylon filament yarn including that used for manufacture of fishnet, classifiable under Customs Classification No. 54.02.10, are beyond the scope of the anti dumping measures, recommended vide its final findings dated 3<sup>rd</sup> July, 2006 in the original proceedings.

20. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority

